भारत द्वारा सामुदायकि प्रसार टैग का वरिोध

चर्चा में क्यों?

वशि्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organisation- WHO) की एक नवीनतम रपिोर्ट के अनुसार, कोवडि -19 महामारी की शुरुआत के बाद से अब तक भारत ने स्वयं को बनिा कसिी सामुदायकि प्रसार (Community Transmission- CT) वाले देश के रूप में चह्निति करना जारी रखा है।

- अमेरकिा, ब्राज़ील, यूनाइटेड कगिडम, फ्राँस जैसे देशों ने स्वयं को 'सामुदायकि प्रसार' चरण में होने के रूप में चह्निति कयिा है, जबकि इटली और रूस ने स्वयं को 'सामुदायकि प्रसार/संचरण' वाले देश के रूप चह्निति नहीं कयिा है।

प्रमुख बदि:

- **सामुदायकि प्रसार (CT):**
    - CT महामारी के चरणों में से एक है।
    - मोटे तौर पर, सामुदायकि प्रसार की स्थिति तिब मानी जाती है जब महामारी के नए मामलों को पछिले 14 दनिों के दौरान कसिी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के रकिॉर्ड से न जोड़ा जा सके और न ही संक्रमण के मामले कसिी वशिष्टि समूह से संबंधति हों।
    - CT के वर्गीकरण को चार चरणों में वभिाजति कयिा जाता है, जसिमें नम्नि स्तर से लेकर उच्च स्तर तक प्रसारण शामलि होता है।

महामारी के चार चरण:

- **चरण 1- आयातति संचरण:**
    - यह यात्रयिों के बीच सीमाओं और हवाई अड्डों के माध्यम से महामारी के देश में प्रवेश करने से संबंधति है। इसे थर्मल स्क्रीनगि और क्वारंटाइन के माध्यम से नयिंत्रति कयिा जा सकता है।
- **चरण 2- स्थानीय ट्रांसमशिन:**
    - इस चरण को देश के भीतर एक संक्रमति व्यक्ति के सीधे संपर्क में आने के माध्यम से महामारी के संचरण के रूप में परभिाषति कयिा जाता है।
- **चरण 3-सामुदायकि प्रसार:**
    - यह दर्शाता है कि एक वायरस समुदाय में संचरति हो रहा है तथा उन लोगों को प्रभावति कर सकता है, जनिका महामारी संक्रमण से प्रभावति क्षेत्रों की यात्रा करने या कसिी संक्रमति व्यक्ति के संपर्क में आने का कोई इतहिास नहीं है।
- **चरण 4- महामारी:**
    - चरण 4 तब आता है जब रोग वास्तव में एक देश में महामारी का रूप धारण कर लेता है, जैसा कि चीन में हुआ था , जसिमें बड़ी संख्या में लोग संक्रमति हुए और मृत्यु की बढ़ती संख्या का कोई अंत नहीं था। तब महामारी को स्थानकि या क्षेत्र में प्रचलति माना जाता है।

- ## भारत का वर्तमान वर्गीकरण:
    - भारत द्वारा महामारी को लेकर नम्नितर, कम गंभीर वर्गीकरण का वकिल्प चुना गया है जसि े' क्लस्टर ऑफ केस' (Cluster Of Case) कहा जाता है।
    - भारत के मुताबकि, ऐसा देखा गया है कि पछिले 14 दनिों में सामने आए मामले कुछ वशिष्टि क्लस्टर्स तक ही सीमति हैं जनिका सीधे तौर पर बाहर से आयातति महामारी के मामलों से कोई संबंध नहीं है।
    - ऐसा माना जा रहा है कि इस क्षेत्र में कई मामले अज्ञात हैं। इसका मतलब है कि अगर इन समूहों के संपर्क में आने से बचा जाए तो बड़े समुदाय में संक्रमण का खतरा कम होगा।

- **स्वयं को सीटी में वर्गीकृत नहीं करने के भारत के निहितार्थ:**
    - भारत द्वारा स्वयं को सामुदायिक प्रसार से युक्त होने से इंकार करना '**Ostrich In The Sand**" यानी "**एक ऐसा व्यक्ति जो वास्तविकता का सामना करने या सच्चाई को मानने से इनकार करता है** " के दृष्टिकोण को दर्शाता है क्योंकि CT को स्वीकार करना विफलता का संकेतक है जो दर्शाता है कि अधिकारियों/प्राधिकारियों/प्राधिकरणों ने किस तरह से इस महामारी की समस्या को संबोधित किया है।
    - यदि मामले अभी भी एक क्लस्टर में सामने आते हैं तो इसका मतलब यह होगा कि सरकार को संक्रमण फैलने से रोकने हेतु परीक्षण, कांटेक्ट ट्रैकिंग और आइसोलेशन को प्राथमिकता देनी होगी। दूसरी ओर CT में होने का मतलब इलाज को प्राथमिकता देना और सुरक्षित रहने हेतु दी गई सलाह का पालन करना होगा।
    - सामुदायिक प्रसार का मतलब है कि स्वास्थ्य प्रणाली अब वायरस के प्रक्षेप पथ (Trajectory) का ट्रैक खो चुकी है और संक्रमण के स्रोत के बिना ही संक्रमण हो रहा है।
    - एक बार जब सरकार सामुदायिक प्रसार को स्वीकार कर लेती है, तो महामारी नियंत्रण रणनीति अगले चरण में आगे बढ़ जाएगी, जिसे 'शमन चरण' (Mitigation Phase) कहा जाता है, जिसमें इस बात को सुनिश्चित करने पर ध्यान दिया जाएगा कि केवल उन्हीं लोगों को अस्पताल पहुँचाया जाए, जिन्हें वास्तव में चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता है। संक्रमणों पर नज़र रखना या उन्हें नियंत्रित करना प्राथमिक रणनीति में शामिल नहीं होगा।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-resists-community-transmission-tag